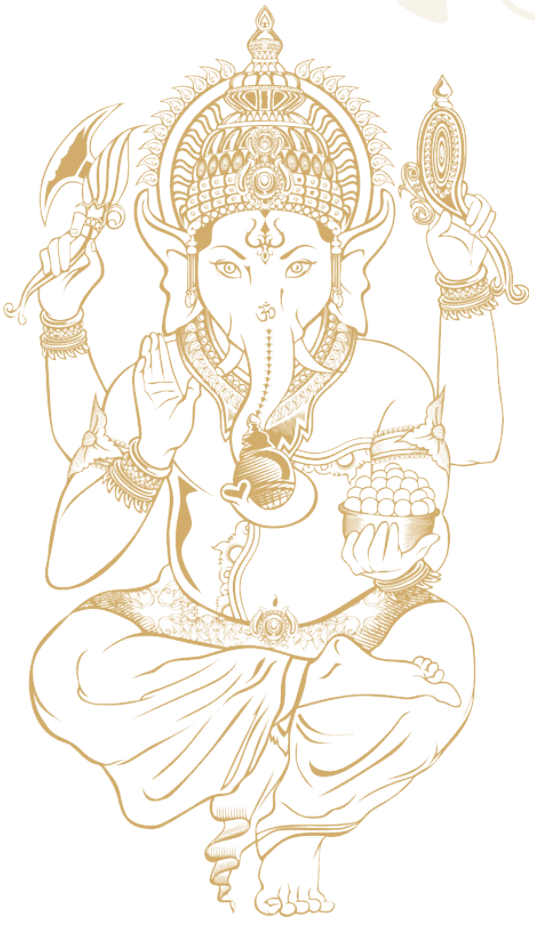

Mr.

06 Aug 1997

06:00 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121877311

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/08/1997**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	01:30:56 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:03:32 घंटे
वेलान्तर	-00:05:53 घंटे
साम्पातिक काल	03:01:54 घंटे
सूर्योदय	05:23:37 घंटे
सूर्यास्त	18:40:35 घंटे
दिनमान	13:16:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:46:30 कर्क
लग्न के अंश	26:48:20 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	26:48:20	313:17:30	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			कर्क	19:46:30	00:57:30	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	19:06:58	11:47:31	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	01:08:02	00:35:41	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			सिंह	16:56:21	00:50:50	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		मक	23:38:21	00:07:48	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	नीच राशि
शुक्र			सिंह	22:21:20	01:11:51	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	26:31:18	00:00:27	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	26:13:22	00:00:54	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	26:13:22	00:00:54	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:35:11	00:02:22	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:19:33	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:01:11	00:00:15	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	24:06:43	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:23

लग्न-चलित

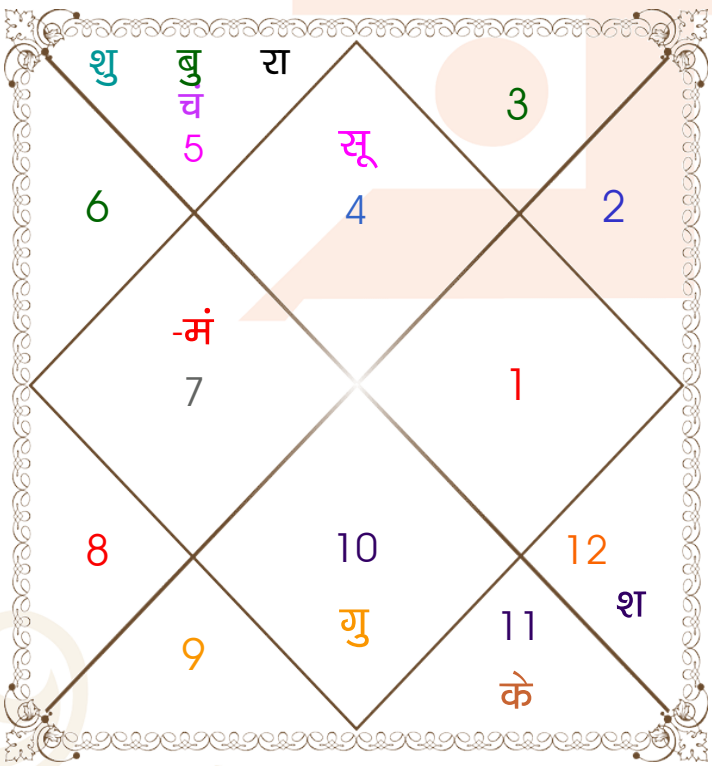

चन्द्र कुंडली

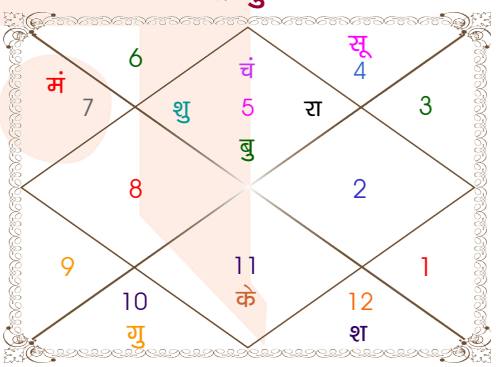

नवमांश कुंडली

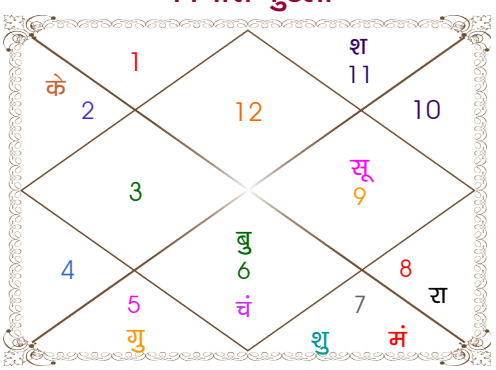

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 3 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/08/1997		02/12/2008		03/12/2014		02/12/2024		03/12/2031	
02/12/2008		03/12/2014		02/12/2024		03/12/2031		03/12/2049	
	00/00/0000	सूर्य	22/03/2009	चंद्र	03/10/2015	मंगल	01/05/2025	राहु	15/08/2034
	00/00/0000	चंद्र	21/09/2009	मंगल	03/05/2016	राहु	19/05/2026	गुरु	08/01/2037
	00/00/0000	मंगल	27/01/2010	राहु	02/11/2017	गुरु	25/04/2027	शनि	15/11/2039
	06/08/1997	राहु	21/12/2010	गुरु	04/03/2019	शनि	03/06/2028	बुध	03/06/2042
राहु	02/02/1999	गुरु	09/10/2011	शनि	03/10/2020	बुध	31/05/2029	केतु	22/06/2043
गुरु	03/10/2001	शनि	20/09/2012	बुध	04/03/2022	केतु	27/10/2029	शुक्र	22/06/2046
शनि	02/12/2004	बुध	28/07/2013	केतु	03/10/2022	शुक्र	27/12/2030	सूर्य	16/05/2047
बुध	03/10/2007	केतु	03/12/2013	शुक्र	03/06/2024	सूर्य	04/05/2031	चंद्र	14/11/2048
केतु	02/12/2008	शुक्र	03/12/2014	सूर्य	02/12/2024	चंद्र	03/12/2031	मंगल	03/12/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/12/2049		03/12/2065		02/12/2084		04/12/2101		03/12/2108	
03/12/2065		02/12/2084		04/12/2101		03/12/2108		00/00/0000	
गुरु	21/01/2052	शनि	06/12/2068	बुध	01/05/2087	केतु	02/05/2102	शुक्र	04/04/2112
शनि	03/08/2054	बुध	16/08/2071	केतु	27/04/2088	शुक्र	02/07/2103	सूर्य	04/04/2113
बुध	08/11/2056	केतु	23/09/2072	शुक्र	26/02/2091	सूर्य	07/11/2103	चंद्र	04/12/2114
केतु	15/10/2057	शुक्र	24/11/2075	सूर्य	03/01/2092	चंद्र	07/06/2104	मंगल	03/02/2116
शुक्र	15/06/2060	सूर्य	05/11/2076	चंद्र	03/06/2093	मंगल	03/11/2104	राहु	07/08/2117
सूर्य	03/04/2061	चंद्र	06/06/2078	मंगल	31/05/2094	राहु	22/11/2105		00/00/0000
चंद्र	03/08/2062	मंगल	16/07/2079	राहु	18/12/2096	गुरु	28/10/2106		00/00/0000
मंगल	10/07/2063	राहु	22/05/2082	गुरु	26/03/2099	शनि	07/12/2107		00/00/0000
राहु	03/12/2065	गुरु	02/12/2084	शनि	04/12/2101	बुध	03/12/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।